Monthly

मासिक

Volume 1 Issue 2

October 2015

वाराणसी नगर निगम eNewsletter

कशी के भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्ला ख़ाँ का जन्म: 21 मार्च, 1916 - मृत्यु: 21 अगस्त, 2006 हिन्दुस्तान के प्रख्यात शहनाई वादक थे। उनका जन्म डुमराँव, बिहारमें हुआ था। सन् 2001 में उन्हें भारत के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया। वह तीसरे भारतीय संगीतकार थे जिन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया है।

बिस्मिल्ला खाँ का जन्म बिहारी मुस्लिम परिवार में पैगम्बर खाँ और मिट्ठन बाई के यहाँ बिहार के डुमराँव के ठठेरी बाजार के एक किराए के मकान में हुआ था। उनके बचपन का नाम क़मरुद्दीन था। वे अपने माता-पिता की दूसरी सन्तान थे।: चूँकि उनके बड़े भाई का नाम शमशुद्दीन था अत: उनके दादा रसूल बख्श ने कहा-"बिस्मिल्लाह!" जिसका मतलब था "अच्छी शुरुआत! या श्रीगणेश" अत: घर वालों ने यही नाम रख दिया। और आगे चलकर वे "बिस्मिल्ला खाँ" के नाम से मशहूर हुए। |उनके खानदान के लोग दरवारी राग बजाने में माहिर थे जो बिहार की भोजपुर रियासत में अपने संगीत का हुनर दिखाने के लिये अक्सर जाया करते थे। उनके पिता बिहार की डुमराँव रियासत के महाराजा केशव प्रसाद सिंह के दरवार में शहनाई बजाया करते थे। 6 साल की उम्र में बिस्मिल्ला खाँ अपने बाप के साथ बनारस आ गये। वहाँ उन्होंने अपने चाचा अली बख्श 'विलायती' से शहनाई बजाना सीखा। उनके उस्ताद चाचा 'विलायती' विश्वनाथ मन्दिर में स्थायी रूप से शहनाई-वादन का काम करते थे

यद्यपि बिस्मिल्ला खाँ शिया मुसलमान थे फिर भी वे अन्य हिन्दुस्तानी संगीतकारों की भाँति धार्मिक रीति रिवाजों के प्रबल पक्षधर थे और हिन्दू देवी-देवता में कोई फ़र्क नहीं समझते थे। वे ज्ञान की देवी सरस्वती के सच्चे आराधक थे। वे काशी के बाबा विश्वनाथ मन्दिर में जाकर तो शहनाई बजाते ही थे इसके अलावा वे गंगा किनारे बैठकर घण्टों रियाज भी किया करते थे। उनकी अपनी मान्यता थी कि उनके ऐसा करने से गंगा मइया प्रसन्न होती हैं।

मुख्य संरक्षक

श्री राम गोपाल मोहले
मा0 महापौर

मुख्य संपादक

श्री श्रीहरि प्रताप शाही
नगर आयुक्त

संपादक

श्री बी.के. द्विवेदी
अपर नगर आयुक्त

संकलन

श्री संदीप श्रीवास्तव
कोआर्डिनेटर, कम्प्यूटर सेल

कम्प्यूटर डिज़ाइन

श्री अनूप कुमार वर्मा
कम्प्यूटर आपरेटर

नगर निगम वाराणसी
सिगरा शहीद उद्यान के सामने
वाराणसी 221010

Email-
mcvns1@gmail.com
nagarnigamvns@gmail.com
Website-www.nnvns.org
Phone- 0542 222 1 711
Fax- 0542 222 1 702
Control Room
Toll Free- 155304

स्वच्छ भारत मिशन

कम्यूनिटी/ पब्लिक टायलेट

वाराणसी नगर में पूर्व से ही 109 कम्यूनिटी/ पब्लिक टायलेट विभिन्न संस्थाओं द्वारा संचालित है। सर्वे में 46 शौचालय मरम्मत/ सफाई योग्य है। इसके अतिरिक्त शहर के विभिन्न स्थलों पर JICA के अन्तर्गत 205 कम्यूनिटी/ पब्लिक टायलेट बनाये जाने की आवश्यकता पायी गई। इसके लिए 132 स्थलों पर भूमि उपलब्ध नही हो पायी है। 19 निर्मित हो गई है तथा 26 के कार्य प्रगति पर है। फेज–2 में 46 व फेज–3 में 47 सामुदायिक शौचालय बनाया जाना है। इसके अतिरिक्त विभिन्न संस्थाओं द्वारा CSR के अन्तर्गत शौचालय बनाये जाने है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः–

सी0एस0आर'' के अन्तर्गत संस्थाओं द्वारा पब्लिक टायलेट (पी0टी0) निर्माण की स्थिति
हिन्दुस्तान पेट्रोलियम द्वारा 04 स्थानों पर कार्य प्रारम्भ
इण्डियन आयल द्वारा 04 स्थानों पर कार्य प्रारम्भ
सीड (एन0जी0ओ0) 05 स्थानों पर कार्य प्रारम्भ
राइट्स 02 स्थानों पर कार्य जल्द प्रारम्भ होना है

- जायका योजना के अन्तर्गत 20 कम्यूनिटी टायलेट आगामी तीन माह में निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा।
- जायका योजना के अन्तर्गत 15 कम्यूनिटी टायलेट का निर्माण अतिशीघ्र प्रारम्भ होने जा रहा है।

- स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत नगर निगम, वाराणसी द्वारा अपने स्वास्थ्य निरीक्षकों/ स्वास्थ्य सुपरवाइजरों के माध्यम से वाराणसी नगर के प्रत्येक मुहल्लों/ समस्त 14 सफाई वार्डो में शौचालय रहित भवनों का सर्वे किया गया।
- सर्वे द्वारा कुल 3473 भवन ऐसे पाये गये जिनमें शौचालय नही है।
- सर्वे में पाया गया कि 3473 भवनों में 3260 भवनों में शौचालय निर्माण हेतु भूमि उपलब्ध है।
- नगर निगम, वाराणसी द्वारा सभी 3473 भवन स्वामियों का निर्धारित प्रोफार्मा पर फार्म भरवा कर प्राप्त कर लिया गया है।

02 अक्टूबर ''गरँधी जयन्ती'' के शुभ अवसर पर मा0 महापौर द्वारा सदन कक्ष में दीप जलाकर महात्मा गाँधी जी को श्रद्धासुमन अर्पित किया गया तथा उनके योगदान को याद किया गया।

02 अक्टूबर को स्वच्छ भारत पखवाड़ा का शुभारम्भ मा0 महापौर द्वार किया गया। इसके अन्तर्गत वार्डो में डोर–टू डोर कूड़ा संग्रहण का कार्य शुरू करने के साथ–साथ सिगरा वार्ड में सफाई मित्रों के रूप में क्षेत्र के कूड़ा बिनने वालों को चिन्हित कर उन्हे आईडी कार्ड एवं ड्रेस देकर डोर टू डोर कूड़ा संग्रहण कराने का शुरूआत की गई।

स्वच्छ भारत पखवाड़ा

स्वच्छ और सुंदर वाराणसी के लिए

गली- गली घूमकर प्लासस्टिक्र शीशीलोहा आदि एकत्रित करनेवाले लोगों को नगर निगम द्वारा सिगरा वार्ड में डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन किये जाने हेतु अलग रंग की टोपी, वर्दी, सीटी तथा पहचान पत्र का वितरण किया गया

भाभा एटामिक रिसर्च सेन्टर के वैज्ञानिक डा० शरद काले द्वारा आविष्कारित मैजिक बकेट या कूड़ेदान । इस कूड़ेदान की खासियत यह है कि इसमें गीला कूड़ा अर्थात भोजन, छिलके आदि को डालने के दो से एक सप्ताह के अन्दर कूड़ा खाद के रूप में परिवर्तित हो जाता है

ठोस कूड़ा प्रबन्धन

- नगर निगम, वाराणसी द्वारा अपने संसाधनों से नगर के 42 वार्डों में डोर–टू–डोर कूड़ा संग्रहण की कार्यवाही प्रारम्भ कराई गई।
- प्रातः सीटी बजाकर सफाई कर्मी कूड़ा संग्रहण हेतु घर–घर जाकर कूड़ा एकत्र करेगा तथा निर्धारित कूड़ा घर पर निस्तारित करेगा।
- दुर्गापूजा उत्सव के दौरान सभी पूजा पण्डालों को डस्टबीन वितरण कराया गया तथा पूजा पण्डालों के बाहर रखकर आमजन तथा दर्शनार्थियों को स्वच्छता के लिए जागरूक किया गया।

नगर की सफाई व्यवस्था हेतु वाराणसी नगर निगम, वाराणसी द्वारा निम्नलिखित कार्य/ प्रयास किये जा रहे हैं:–

- सारनाथ क्षेत्र में मे0 मुस्कान ज्योति संस्था से सारनाथ क्षेत्र मे लगभग 1 लाख की आबादी हेतु घर–घर से कूड़ा उठाने तथा कूड़े के निस्तारण हेतु संस्था के साथ लगभग रू0 1.70 करोड़ प्रति वर्ष का अनुबन्ध की कार्यवाही प्रगति पर है।
- एअरपोर्ट अथारिटी आफ इण्डिया द्वारा गंगा नदी के किनारे में स्थित 19 वार्डो मे लगभग 1 लाख की आगादी हेतु घर–घर से कूड़ा एकत्रीकरण/ सेग्रिगेशन एवं ट्रांसपोर्टेशन की कार्यवाही किये जाने की सहमति दी गई है, जिसके क्रम में भारत सरकार द्वारा आर0एफ0पी0 का प्रकाशन कर दिया गया है।
- ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन हेतु इण्डियन आयल कारपोरेशन द्वारा ग्राम रमना में 200 एम0टी0 प्रतिदिन Waste to Energy का प्लाण्ट लगाये जाने तथा शहर के विभिन्न 12 चिन्हित स्थलों पर Decentralised Waste to fuel/ energy plant लगाये जाने हेतु सहमति दी गई है। इस सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही प्रगति पर है एवं चयनित स्थानों का विवरण निम्वत है'–
  1. आदमपुर जोनल कार्यालय
  2. विश्वेशरगंज मंडी
  3. शिवाला कूड़ाघर
  4. मा0 कॉशीराम आवासीय कालोनी
  5. दीनदयाल अस्पताल के सामने
  6. भवनिया पोखरी, भेलूपुर
  7. भदऊ चुंगी
  8. पहड़िया मण्डी
  9. बेनियाबाग, स्लाटर हाउस
  10. अर्दलीबाजार, स्लाटर हाउस
  11. कमलगढ़हा, स्लाटर हाउस

हृदय योजना

- भारत सरकार द्वारा हृदय योजनान्तर्गत वाराणसी शहर का चयन किया गया है जिसमें **वाराणसी** शहर हेतु कुल रु0 89.31 करोड़ की स्वीकृति प्राप्त हुई है (रु0 82.00 करोड़ प्रोजेक्ट हेतु तथा रु0 7.31 करोड़ ओ0एण्ड0एम0 हेतु)।

- **यह योजना भारत सरकार द्वारा पूर्णतया वित्तपोषित है। परियोजना की समाप्ति तिथि मार्च 2018 है।**

- **इस योजनान्तर्गत हेरिटेज स्थलों एवं आस–पास के** कुल 14 **सड़कों** के सुधार एवं मरम्मत कार्य हेतु रु0 7.92 करोड़ स्वीकृति शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रदान की गई है।
- उक्त 14 सड़को के मरम्मत/निर्माण हेतु निविदा जारी कर दी गई है। निविदा परीक्षण कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।
- 26 अतिरिक्त सड़कों के मरम्मत का रू0 19.81 करोड़ का प्रस्ताव तैयार कर दिनांक–29.09.2015 को ''इटैक'' को अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया।
- ''इंटैक'' से डी0पी0आर0 फार्मेट एवं सिटी हृदय प्लान में चयनित 20 सड़कों की सूची उपलब्ध होने के पश्चात डी0पी0आर बनाने हेतु कन्सलटेन्ट मे0 प्लानर इंडिया, वाराणसी को कार्यादेश निर्गत किया गया।
- कन्सलटेन्ट द्वारा दिनांक–07.12.2015 तक डी0पी0आर0 तैयार कर लिया जायेगा, जिसके उपरान्त परीक्षण हेतु सिटी एंकर ''इंटैक'' को प्रेषित किया जायेगा।

''सिटी एंकर इंटैक'' द्वारा सिटी हृदय प्लान तैयार कर City Level Advisory and Monitoring Committee (CLAMC) के सदस्यों से यथाशीघ्र आवश्यक सुझाव प्राप्त करने हेतु उन्हे सिटी हृदय प्लान उपलब्ध करा दिया गया है। आवश्यक सुझाव प्राप्त होने के उपरान्त सिटी हृदय प्लान में आवश्यक संशोधन कर सिटी एंकर के माध्यम से Hriday National Empowered Committee (HNEC) को प्रेषित किया जायेगा।

Hriday National Empowered Committee (HNEC) से सिटी हृदय प्लान अनुमोदित होने के उपरान्त शेष धनराशि की डी0पी0आर0 तैयार की जायेगी। संयुक्त सचिव, शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार की बैठकों में अभी तक जिन कार्यो हेतु डी0पी0आर0 बनाने पर सहमति बनी है, उनका विवरण निम्नवत् हैः–

1. गोदौलिया चौराहा एवं टाउनहाल मैदान में मल्टी लेवल पार्किंग।
2. गोदौलिया चौराहा से दशाश्वमेध घाट तक सौन्दर्यीकरण का कार्य (FACADE Development)
3. अस्सी चौराहा से अस्सी घाट तक सौन्दर्यीकरण का कार्य (FACADE Development)
4. 50 हेरिटेज स्थलों के सौन्दर्यीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य।

स्मार्ट सिटी

- स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत प्रथम चरण में चयनित 100 शहरों में सम्मिलित वाराणसी नगर द्वितीय चरण में प्रथम 20 शहरों में आने के लिये प्रयासरत है । इसके लिये वाराणसी का स्मार्ट सिटी प्लान बनाया जाना है, जिसका मूल्यांकन, प्लान की जन सहभागिता, जन–आंकाक्षा तथा नई सोच पर आधारित होना तथा उसके क्रियान्वित होने के लिये अपनाई जाने वाली रणनीति पर किया जाना है ।

'परिस्थितियों व उपलब्ध संसाधन में बेहतर समन्वय से कितना बेहतर परिणाम हम दे सकते हैं जिससे आगे भविष्य में संसाधन बढ़ें, यही स्मार्ट सिटी की बेहतर परिभाषा है।'

–डा. एसपी साही, नगर आयुक्त।

स्मार्ट सिटीजन से मुकाम पाएगी स्मार्ट सिटी

चिकित्सकों की रायशुमारी में पैन सिटी प्लान को वरीयता, लिया संकल्प-करेंगे सबको जागरूक

इन माध्यमों से जरूर दें सुझाव

कोई भी नागरिक यहां ऑनलाइन तरीके से प्राथमिकता सहित शहर को स्मार्ट बनाने के लिए अपने विचार साझा कर सकता है। नागरिकों से अन्य सुझाव भी आमंत्रित किए गए हैं।

- www.facebook.com/smartcityvaranasi
- https://twitter.com/smartvaranasi
- smartvaranasicity@gmail.com
- http://www.smartcityvaranasi.in/feedback-form.html

- पैन सिटी पहल, क्षेत्र आधारित विकास माडल हेतु नागरिकों से विभिन्न माध्यमों से सहभागिता प्राप्त की जा रही है। इस हेतु लोगो को जागरूक करने के साथ साथ उनका सुझाव व सहभागिता भी स्मार्ट सिटी सुझाव प्रारूप पर प्राप्त किया जा रहा है।

स्मार्ट सिटी के बारे में शपथ लेतीं अग्रसेन कन्या पीजी कालेज की छात्राएं।

छात्राओं ने ली शपथ

वाराणसी : स्मार्ट सिटी के लिए 'दैनिक जागरण' की पहल पर शुक्रवार को अग्रसेन कन्या पीजी कालेज, बुलानाला की छात्राओं ने शपथ ली। छात्राओं ने यातायात के नियमों का पालन करने, पर्यावरण संरक्षण में योगदान करने, बिजली व पानी का अपव्यय न करने, सड़कों पर कूड़ा-कचरा न फेंकने का भी संकल्प लिया। इस मौके पर कालेज की डीन एकेडमिक डा. शुभा सक्सेना, कंप्यूटर केंद्र के निदेशक पवन कुमार सिंह, डा. चंदा रानी, डा. निहारिका, जूही अग्रवाल, प्रिया चौरसिया, शुभांगी पाठक, गीतांजलि केशरी, तोसिर सहित अन्य छात्राएं शामिल थीं।